I 20200309 2002 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.   Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये   FIVE THOUSAND RUPEES

Case No 428/2002-2003
dated 9.XII.2002

विक्रय मूल्य - 50,000=00 रुपया
मालियत - 82,305=00रुपया
स्टाम्प - 8300=00 रुपया
परगना - मोहनलालगंज ।

:: बैनामा ::

मनकि माता प्रसाद पुत्र श्री राम खेलावन निवासी-संजय गांधी नगर, प्रयाग नरायन रोड, शहर लखनऊ (विक्रेता) का हूँ :-

--2पर

मातापसाद

8923 7/10/02

फिरोज अहमद स० आई- लखनऊ

5000 द्वारा

बैं० 50000/ स्था० 83000/

मुआवजा 1660/ + 20/ + 820/ = 1600/ WA 1600

श्री माता प्रसाद पुत्र श्री रामदुलारे

लखनऊ

27/10/02 314

22/10/02

श्री माता प्रसाद

मातादास

555

27/10/02

मातादास

1000 Rs.

(2)

जो कि मैं कृषि भूमि खाता संख्या- 164 (एक-सौ चौसठ) के भूमि संख्या- 937 (नौ सौ सैंतीस) रकबा 0·164हेक्टेयर (शून्य दशमलव एक सौ चौसठ हेक्टेयर) व 943ग (नौ सौ तैतालिस-ग) रकबा 0·051 हेक्टेयर (शून्य दशमलव शून्य पांच एक हेक्टेयर) कुल रकबा 0·215 हेक्टेयर (शून्य दशमलव दो सौ पन्द्रह हेक्टेयर) स्थित ग्राम मस्तेमऊ, परगना व तहसील मोहनलालगंज, जिला लखनऊ का तनहा मालिक, काबिज व काबिज हूं, जिसे मैंने बजरिये रजि0बैनामा श्री बाबूलाल पुत्र भिखारी निवासी-भिजांपुर, तहसील मोहनलालगंज जिला लखनऊ से क्रय किया है

—3पर

मा०।४।अ१८

क्रम सं० 11903 दिनांक [illegible]

मूल्य [illegible] नाम [illegible]

पता

द्वारा

आर० के० श्रीवास्तव स्टाम्प विक्रेता

[illegible]

ला० नं० 78

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

जो उप-निबन्धक मोहनलालगंज लखनऊ

के कार्यालय में दिनांक 5-5-2001

को पुस्तक सं0-प्रथम,खण्ड- 509 के

पृष्ठ- 219/224 क्रम सं0- 828 पर दर्ज है । उपरोक्त आराजी हर प्रकार के रेहन,बय,हिबा,जमानत,कुर्की,मुकदमा आदि से पूर्णतया बरी व पाक-साफ है,जिसको विक्रय करने का मुझे पूर्ण मालिकाना व कानूनी हक हासिल है,अब बजरूरत खुद मैं अपनी खुशी व रजामन्दी से बिना किसी जोर या दबाव नाजायज के अपने दुरूस्त होश-हवास में अपनी उपरोक्त कृषि भूमि मजकूरेवाला को जिसकी चौहद्दी अन्त में दी जा रही है को बिला छोड़े किसी चीज हक कुल या जुज के जो कुछ भी मुझे उक्त विक्रयशुदा जायदाद में प्राप्त हैं,उन सबके बकीमत मुबलिग रुपया 50,000/=§पचास हजार§ जिसके आधे मु0-25000/=रुपया

मातापसाद

—4पर

[illegible]

आर०फ्रि० [illegible] विक्रेता

बिक्री कर का० [illegible]

[illegible] 28

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

FROM TREASURY

(4)

होते हैं मैं बदस्त श्री आफाक अहमद
पुत्र श्री इश्तियाक अहमद द्वारा
एटार्नी एवं सगे भाई फिरोज अहमद पुत्र श्री इश्तियाक अहमद व फिरोज अहमद पुत्र श्री इश्तियाक अहमद व अतहर अहमद पुत्र श्री इश्तियाक अहमद सभी निवासीगण- स्थाई व हाल - बी0-10 सेक्टर "ओ" अलीगंज, शहर लखनऊ (क्रेतागण) के हाथ बय फरोख्त कतई किया यानी बेच दिया और कुल विक्रय मूल्य कब्ल तहरीर बैनामा हाजा क्रेतागण मजकूर से रूबरू गवाहान नकद वसूल पाकर कब्जा व दखल मालिकाना आराजी मुबइया पर बजाय कब्जा खुद के क्रेतागण मजकूर का बखूबी अपने समान करा दिया अब मेरा या मेरे वारिसान या कायम मुकामान का कोई हक या हिस्सा विक्रयशुदा आराजी या उसके किसी अंश कुल या जुज में शेष नहीं रहा अगर कोई

--5पर

11505

26

100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

ISSUED F..
LUCKNOW TREASU...
4 OCT 20..
A.T.O.
Lucknow Collectorate

शख्स निस्बत आराजी मुबइया या जरसमन के क्रेतागण मजकूर से हक जताये या दावा करे तो उसका हक व दावा बरुए तहरीर बैनामा हाजा बातिल व नाजायज होगा और अगर किसी शख्स की हकदारी या उज्रदारी या दावेदारी से आराजी मुबइया कुल या जुज कब्जे क्रेतागण से निकल जावें या कब्जा न मिले या मिलकियत या हकीयत मेरी करार ना पाई जाये या अन्य कोई विवाद निकले तो ऐसी तमाम सूरतों में क्रेतागण व वारिसान क्रेतागण को हक होगा कि वह अपना समस्त विक्रय मूल्य सहित हर्जा व खर्चा के मुझसे या मेरे वारिसान की दीगर जायदाद चल व अचल से न्यायालय द्वारा वसूल कर लेवें, कोई मुकाम उज्र का न होगा । क्रेतागण इस बैनामें के आधार पर समस्त सरकारी अभिलेखों में अपने नाम नामान्तरण करा लेवें, किसी को कोई मुकाम उज्र का न होगा । विक्रेता व

—6पर

नं० 1559 तारीख 8/10/2002

रू० ..... नाम [illegible]

पता .....

मार्फत .....

ओ० पी० ठाकर रजिस्ट्री स्टाम्प विक्रेता

कलेक्ट्रेट लखनऊ लं० नं० 13

100Rs.

ISSUED FROM
LUCKNOW TREASURY
4 OCT 2002
A.T.O. I
Lucknow Collectorate

{6}

क्रेतागण का स्थायी व अस्थायी पता एक ही है । आराजी मुबइया किसी भी योजना में अधिगृहीत नहीं की गयी है । आराजी मुबइया कृषि भूमि है जिस पर वर्ष 1383फसली के पूर्व से लगातार आज तक खेती होती चली आरही है और कृषि कार्य हेतु ही विक्रय की जा रही है आराजी मुबइया मुख्य मार्ग,राज मार्ग,राष्ट्रीय मार्ग, जनपदीय मार्ग व लिंक मार्ग पर नहीं स्थित है आराजी मुबइया पर कोई पेड़,कुंआ,बौरिंग,व निर्माण आदि नही है ।आराजी मुबइया अतिविशिष्ट ग्राम में स्थित है जिसके भूमि की बाजारी मालियत 1,55,000/=रु0 प्रति एकड़ की दर से मालियत मुबलिग-82,305/=रु0 होती है जो अधिक है अत: इसी पर नियमानुसार स्टाम्प शुल्क मु0- 8300/= रूपया अदा किया गया है । उक्त आराजी का पूर्व में कोई इकरारनामा भी पंजीकृत नहीं किया

--7पर

11560 8/10/2002

सं० .... तारीख ....

रु० .... नाम ....

पता ....

मार्फत ....

बी० पी० बाफर रिजवी स्टाम्प विक्रेता
कलेक्ट्रेट लखनऊ ल० नं० 13

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

गया है। विक्रेता अनुसूचित जाति का सदस्य है विक्रेता ने उक्त आराजी को विक्रय करने हेतु आवश्यक अनुमति श्रीमान् जिलाधिकारी {भूमि व्यवस्था अनुभाग} लखनऊ के पत्रांक 367/डी0एल0आर0सी0/2002-2003 दिनांक 7 अगस्त 2002ई0 प्राप्त कर लिया है जो संलग्न है ।

अत: यह बैनामा कतई बहक क्रेतागण उपरोक्त आफाक अहमद पुत्र श्री इश्तियाक अहमद व फिरोज अहमद व आहर अहमद पुत्र श्री इश्तियाक अहमद के तहरीर कर दिया ताकि सनद रहे और समय पर काम आवें ।

:<u>सम्पत्ति का विवरण</u> :

खाता संख्या- 164 ग्राम मस्तेमऊ परगना व तहसील मोहनलालगंज जिला लखनऊ के भूमि संख्या- 937 रकबा 0·164 हेक्टेयर व 943ग रकबा 0·051 हेक्टेयर कुल रकबा 0·215 हेक्टेयर ।

--8पर

क्र० 11561 तारीख 8/10/2002

रु० नाम

पता

मार्फत

ओ० पी० शंकर रिज़वी स्टाम्प विक्रेता

कलेक्ट्रेट लखनऊ ल० नं० 13

चौहद्दी

खसरा सं0- 937	खसरा सं0- 943ग
पूरब- खसरा सं0- 939,	पूरब- ख0सं0-943 का भाग,
पश्चिम-खसरा सं0-943,	पश्चिम-ख0सं0-943 का भाग,
उत्तर- ख0सं0-938 व 943,	उत्तर- ख0सं0- 943 का भाग,
दक्षिण- खसरा संख्या-936,	दक्षिण- ख0सं0- 943 का भाग

लखनऊ ।

ह0 विक्रेता,

दिनांक:- 17-10-2002ई0।

गवाहान

1:

पता- सिविल कोर्ट, लखनऊ

ह0 क्रेतागण,

2:

पता-

मसविदाकर्ता,

लाइसेन्स टाईपकर्ता
एस0के0गुप्ता,ला0नं0-3
जिलाकचेहरी लखनऊ ।

§एस0के0गुप्ता§एडवोकेट§
कलेक्ट्रेट,लखनऊ ।

22/10/02
I 624
273/288 2020

LAY OUT DISCRIPTION OF KHASRA NOS. 937, 943 GA
SITUATED AT. VILLAGE MASTEY MAU
PARGANA & TEHSIL MOHAN LAL GANJ DISTT. LUCKNOW

AREA TO BE SOLD - 0.215 HECT.

NOTE - THERE IS NO CONSTRUCTION IN ABOVE KHASRA NOS. TUBE BELL ; WELL & TREES ARE NOT AVILABLE THERE ON

I 2020/2002

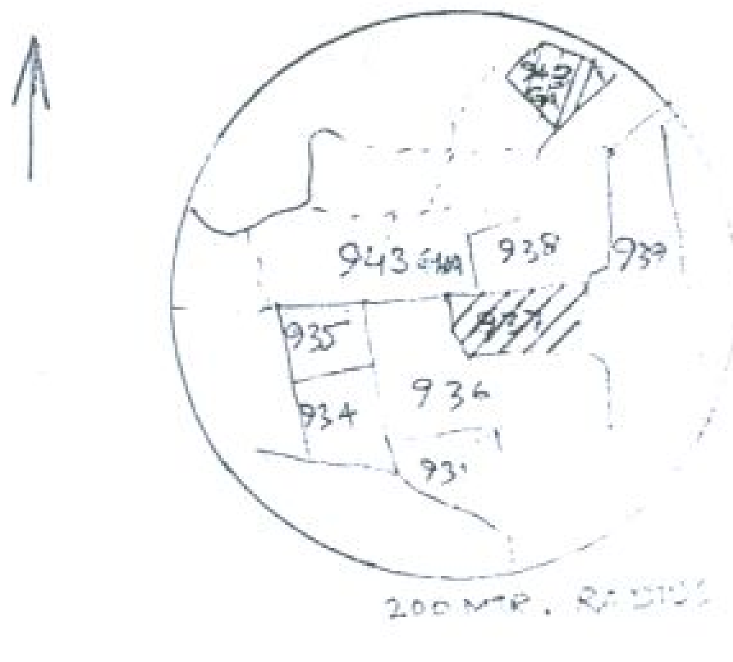

200 MTR. RADIUS

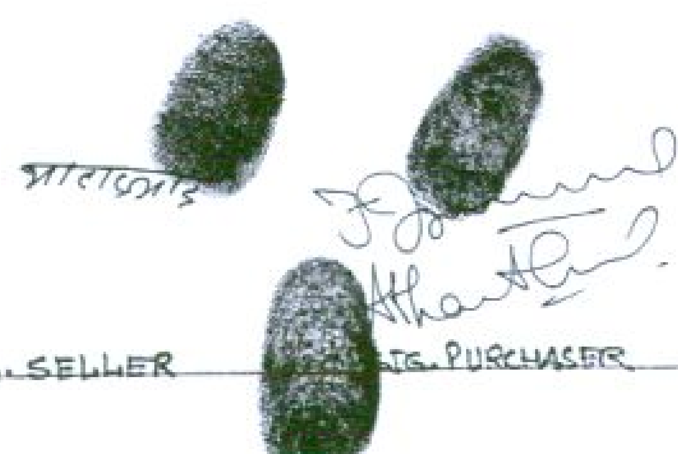

M. C. PANTH
Architect Designer
L.D.A. Appd. Regn. No. 75/97

SIG. SELLER | SIG. PURCHASER | SIG. ARCHITECT

12